बाइबल अध्ययन : मसीही जीवन के लिए बुनियादे (आधार)

इस बाइबल अध्ययन रेव. डेरेक प्रिंस के शिक्षा से विकसित किया गया है और इसका उपयोग डेरेक प्रिंस सेवाकार्य की अनुमति के साथ किया गया है।

एक मसीही होना क्या है, इसका साधारण कथन यूहन्ना 10:27 में पाया जाता है– यीशु के वचन सुनना और उसके पीछे चलना । यीशु ने अपने चेलो को बहुत सी बाते सिखाई और उन्हे अमल में लाने के लिए और दूसरो को भी ऐसा ही सिखाने के लिए शिक्षा दिया। यही मसीही जीवन हैं। जब तक यीशु में विश्वासियो ने मसीही जीवन की इन मूल बातों को नही समझा है और उन्हे अभ्यास में नही लाया है, वे परिपक्व मसीही नही बन सकते है। इब्रानियों 6:12 में मसीही जीवन की मूल या बुनियादी बातें संक्षिप्त रूप से दिया गया है।

इब्रानियों 6:1–3 पढ़िए

मसीही विश्वास के 7 बुनियादी सिंद्धांत इब्रानियों 6: 1 और 2 में सूचीबद्ध है।
इस बाइबल अध्ययन में, हम इनमें से प्रत्येक बुनियादी बातों को विस्तारपूर्वक देखेंगे और आपसे स्वयं के बारे में सोचने के लिए कुछ प्रश्न पूछेगे।

आप प्रत्येक प्रश्नों के लिए दिए गए पवित्रशास्त्र के संदर्भो में प्रश्नो के उत्तर पाएंगे। आपको हमारे सुझाए गए उत्तर पीछे मिल जाएंगे।

1. परमेश्वर में हमारा विश्वास रखना

   अ. यीशु ने लोगों से क्या करने कहा? मरकुस 1:14–15

   1)..... 2) .....

   ब) यीशु मसीह के बारे में 4 मुख्य तथ्य क्या है?

   1. .....मत्ती 3:16–17, लूका 9:35
   2. .....1 कुरिन्थियो 15:3
   3. .....1 कुरिन्थियो 15:4
   4. .....1 कुरिन्थियो 15:5

   स) यीशु मसीह के बारे में इन 4 मुख्य तथ्यों पर जब हम विश्वास करते है तो क्या होता है? रोमियों 1:17, 4:20–25

   .....

   द) क्या हमारे धर्म के काम या अच्छे काम हमें परमेश्वर के पास धर्मी बना सकती है? इफिसियों 2:8–9

   हा/नही

राय या विचार :

क्या आप यीशु मसीह के बारे में इन 4 तथ्यों पर विश्वास करते है?

क्या आपने अपने किसी **<u>विशेष</u>** पाप को अंगीकार किया है और यीशु को आपके जीवन के अधर्म को हटाने के लिए कहा है?
दूसरे लोंगो के प्रति आपके व्यवहार के द्वारा क्या लोग जानते है कि आप यीशु मसीह के शिष्य है?
प्रार्थना करे और यीशु से यह दिखाने के लिए पूछे कि वह आपसे किस बात के लिए पश्चाताप चाहता है और वह आपको कैसे बदलना चाहता हैं।

2. मरे हुए(या बुरे कार्यों) कामों से पश्चाताप

अ) पश्चाताप क्या है? (मत्ती 3:11; लूका 3:8; 2 कुरिन्थियों 7:9–10) .....
.....

ब) मरे हुए काम क्या है? इब्रानियों 6:1;यशायाह 64:6; लूका 6:46–49.....
.....

स) हम कैसे बुरे या मरे हुए कामों से पश्चाताप करे? लूका 15:11–21; 1 यूहन्ना 1:8–9 .....
.....

द) हमारे पश्चाताप और यीशु में हमारे विश्वास रखने से क्या कार्य होंगे? प्रेरितों 2:38 और 42–47; यूहन्ना 13:34–35; यूहन्ना 14:12;.....
.....
.....
.....
.....

विचार या राय

क्या आपको कभी इतना दोषी अनुभव हुआ है कि जो गलत काम आपने किया या बुरे विचार आपके मन में था उसके लिए परमेश्वर से क्षमा मांगे?

क्या परमेश्वर ने आपको कुछ करने के लिए कहा है? क्या आपने आज्ञा पालन किया?

क्या आपने कभी परमेश्वर ने आपको जो चीज करने के लिए नही बोला था उसे करने के लिए क्षमा मांगे हो?

3. विश्वासियों का पानी में बपतिस्मा

अ) विश्वासियों का पानी में बपतिस्मा वास्तव में कैसे किया गया? मत्ती 28:19; प्रेरितों 8:37–38; 10: 48
.....
.....

ब) पानी का बपतिस्मा वास्तव में क्या दर्शाता है? रोमियों 6:4–5; कुलुस्सियों 2:12
.....

स) यीशु के अनुसार, किसको बपतिस्मा लेना अवश्य है? मत्ती 28:19; मरकुस 16:16
.....

विचार या राय :

यीशु में सच में विश्वास करने के **<u>पश्चात</u>** क्या आप पानी में बपतिस्मा पाये हो?

4. पवित्र आत्मा में बपतिस्मा

अ) 'पवित्र आत्मा में बपतिस्मा' क्या है?.....
.....प्रेरितों 1:8; 4:31;10:44–46

ब) पवित्र आत्मा में बपतिस्मा का क्या उद्देश्य है? .....
.....प्रेरितों 1:8; 4:31–33; रोमियों 8:26–27

स) पवित्र आत्मा के द्वारा दिये गये 9 वरदान क्या– क्या है ?.....
.....
.....1 कुरिन्थियों 12:7–11

द) पवित्र आत्मा के फल क्या है?.....
.....
.....गलातियों 5:22–23

इ) वरदान और फल के बीच क्या भिन्नता है?.....
.....

विचार या राय :

क्या आपने पवित्र आत्मा में बपतिस्मा पाया है?
यदि नही , सुझाए गए उत्तरो के साथ पीछे में एक प्रार्थना का नमूना दिया गया है।

पवित्र आत्मा के कौन से एक वरदान आपको चाहिए या आपको ज्यादा चाहिए?

क्या पवित्र आत्मा के फल आपके जीवन में बढ़ रहा है? जैसे आप पवित्र आत्मा को आपको अधिकाधिक यीशु के समान बनाने के लिए अनुमति देते हो यह फल आपके अंदर साल दर साल अधिक दिखना चाहिए।

5. हाथ रखना

अ) 'हाथ रखने का' चार अलग अलग उद्देश्य क्या है?
उद्देश्य 1(मरकुस 10:16).....
इसे कौन कर सकता है?.....

उद्देश्य 2 (मरकुस 16:18) .....
इसे कौन कर सकता है?.....

उद्देश्य 3 (प्रेरितों 19:6).....
इसे कौन कर सकता है?.....

उद्देश्य 4 (प्रेरितों 13:2–3).....
इसे कौन कर सकता है?.....
विचार या राय :

'हाथ रखने को' आपने किस उद्देश्य से देखा/अनुभव किया है?

6. मृतको का पुनरूत्थान

अ) मृतको का पुनरूत्थान क्या है? यूहन्ना 5:28–29; 1 थिस्सलुनीकियों 4:13–18.....
.....

ब) हमारा जी उठा शरीर कैसा होगा? 1 कुरिन्थियों 15:51–55; फिलिप्पियों 3:20–21.....
.....
.....

स) पुनरूत्थान का विशेष महत्व क्या है? रोमियों 1:4, रोमियो 10:9.....
.....
.....

विचार या रायः

क्या आप विश्वास करते हो कि यीशु मसीह मृतको में से जी उठा?

क्या आप विश्वास करते है कि यीशु के महिमामय आगमन के समय आप जी उठेंगे?

क्या यीशु मसीह से आमने सामने मिलना आपको उत्साहित करता है?

7. अनंतकालीन न्याय

अ) हम सब का न्याय करने के लिए परमेश्वर ने किसको नियुक्त किया है? प्रेरितों 10:42–43; प्रकाशितवाक्य 1:12–16.....
.....

ब) यीशु में विश्वासी का किस बात के लिए न्याय होगा?

1. मत्ती 28:18–20; 2 कुरिन्थियों 5:10–11.....
.....
2. नीतिवचन 12:33–37; मत्ती 25:31–40(41–46); लूका 12:32–34.....
.....
3. मत्ती 12:33–37; गलातियों 5:19–23; गलातियों 6:7–10.....
.....
.....

स) जाति जाति के लोग या देश देश के लोग किस बात के लिए न्याय किये जाऐंगे? योएल 3:1–2; ओबद्याह 15; मत्ती 25:31–46.....
.....
.....

द) अविश्वासियों का न्याय किस बात के लिए किया जाऐगा? मत्ती 16:27; प्रकाशितवाक्य 20:11–15.....
.....
.....

इ) अनंतकालीन या अंतिम न्याय कब होगा? मत्ती 24:14, 42–44; मत्ती 25:.....
.....

विचार या राय

क्या आप न्याय के दिन के लिए यीशु के सामने खड़े होने के लिए तैयार है?

आपने कौन सा काम किया है जो यीशु ने आपको करने के लिए कहा था?

यीशु मसीह की सेवा करने से आपको क्या पाने की आशा है? क्या आप अपनी संतुष्टि या महिमा के लिए यीशु की सेवा कर रहे है? या आप यीशु की महिमा करना चाहते है और उसके प्रति सच्चे प्रेम से उसकी इच्छा पूरा करना चाहते है?

क्या आप अपनी शक्ति से परमेश्वर की सेवा करने की कोशिश कर रहे है या आप पवित्र आत्मा के द्वारा सशक्त है।

.....

इस अध्ययन में मसीही विश्वास की 7 बुनियादी बातों को देखा है। और इस प्राथमिक शिक्षा के लिए बहुत कुछ है! और परमेश्वर वायदा करता है कि उसके पास हमारे लिए खोजने के लिए बहुत कुछ है! फिलिप्पियों 3:12–14

"अतः हे भाइयो (और बहनो), आनन्दित रहो; सिद्ध बनते जाओं ; ढाढ़स रखों; एक ही मन रखों; मेल से रहो। और प्रेम और शांति का दाता परमेश्वर तुम्हारे साथ रहेगा"। 2 कुरिन्थियों 13:11

सुझावित उत्तरः

सवाल –जवाब 1: परमेश्वर में विश्वास

अ) यीशु का प्रथम शिक्षाए हैः 1) पश्चाताप, और 2) सुसमाचार पर विश्वास करो।
ब) 'सुसमाचार' के बारे में तथ्य हैः 1) यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है; 2) यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मारा गया; 3) यीशु मसीह गाड़ा गया ; 4) परमेश्वर यीशु को तीसरे दिन जिलाया।

स) जब सुसमाचार के ये चार तथ्यों पर विश्वास करने से हम परमेश्वर के द्वारा धर्मी ठहराये जाते है। यीशु में विश्वास करना केवल यीशु का अस्तिव है इस पर विश्वास करने से कही बढ़कर है– इसे हमें व्यवहार में लाना आवश्यक है। हमें अपने पापपूर्ण तरीकों को मृत कार्यो के लिए पश्चाताप करना चाहिए और वास्तव में स्वयं को यीशु में परमेश्वर के नियुक्त शासक के रूप में विश्वास करना चाहिए।
द) नही । हम यीशु में विश्वास के द्वारा धर्मी ठहराये गये है– हम स्वयं को धर्मी नही बना सकते हैं।

सवाल–जवाब 2: <u>मरे हुए कामो से पश्चाताप</u>
अ) पश्चाताप वह शब्द है जो 'दिशा के परिवर्तन के लिए ह्रदय परिवर्तन' का वर्णन करती है। पश्चाताप तब होता है जब कोई व्यक्ति यह पहचानता है कि उसके तरीक गलत है और अपने स्वयं के तरीको का पालन करना बंद कर देते है और उसके बदले यीशु की ओर (उनकी अवाज सुनकर और उनका अनुसरण करते हुए) फिरते है।
ब) मरे हुए काम ऐसी क्रियाए है जो जीवन की ओर अग्रसर नही होती है और अनंत जीवन नही देती है। मरे हुए काम वे काम है जो हम करते है जिसे परमेश्वर हमें करने के लिए नही कहता है। बुरे विचारो और कामो के साथ जो हम करते है वह मरे हुए काम' अच्छे काम है और परमेश्वर ने हमे ऐसा करने के लिए नही कहा है। यहा तक कि हमारे सर्वोत्तम प्रयास भी परमेश्वर के लिए मैले चिथड़ो के समान है। परमेश्वर कई अलग अलग तरीको से बोलते है। वह चाहता है कि हम उसे सुने और वह करे जो वह हमें करने के लिए कह रहा है।

स) परमेश्वर वायदा करता है कि वह हमें क्षमा करता है जब हम हमारे विशेष पापो का अंगीकार करते है। उडाऊ पुत्र के समान, अ) हमें समझना है कि हमने पाप किया है ब) मन फिराये और स्वयं के लिए जीवन व्यतीत करना छोड़े, स) फिरकर परमेश्वर के पास आये।

द) जैसे हम यीशु को समर्पित करते है, वह हमारे ह्रदयो को बदलेगा और हमे अपने जैसा बनायेगा। इसका परिणाम हमारे एक दूसरे के प्रति प्रेम में दिखेगा। एक दूसरे के प्रति हमारे प्रेम को देखकर लोग जानेंगे कि हम यीशु मसीह के चेले है। हम परमेश्वर के वचन का भी अध्ययन करेंगे, एक साथ उसकी आराधना करेंगे, अक्सर संगती में भोजन साझा करेंगे, एक दूसरे के साथ प्रभु भोज में सम्मिलित होंगे,जो हमारे पास है उससे गरीबो की सहायता करेंगे और परमेश्वर की सामर्थ्य हमारे बीच में प्रगट होगा। हमरा जीवन मिलकर दूसरो को यीशु पर विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

सवाल–जवाब 3: <u>विश्वासियों का बपतिस्मा</u>

अ) एक विश्वासी का बपतिस्मा पानी में डूबाकर होता है। उनका पूरा शरीर पानी में डुबाया जाता है और उसके बाद उन्हे पानी से बाहर निकाला जाता है।

ब) विश्वासियों का बपतिस्मा यीशु मसीह के मरने और हमारे पापों के लिए दफनाये जाने और नए जीवन के लिए उनके पुनरूत्थान का चित्रण है। जैसे ही व्यक्ति बपतिस्मा(अर्थात् दफनाये जाना) के दौरान पानी के नीचे जाता है, वे अपने पापों के लिए यीशु की मृत्यु और दफनाये जाने के साथ पहचाना जाता है। जैसे वे पानी से ऊपर उठाये जाते है यह उनके यीशु के साथ नये जीवन का उदाहरण या चित्रण है।
स) सभी राष्ट्रो या देशो के चेले को पानी में डूबाकर बपतिस्मा दिया जाना चाहिए। चेले वे है जो यीशु पर विश्वास और भरोसा करते और जो उनके द्वारा अनुशासित और प्रशिक्षित किये जा रहे हैं।

ध्यान दे : एक विश्वासी को "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दिया जाता है"। यह विश्वासियों पर एक छाप है। विश्वासी लोगो को 'मसीह में' और मसीह के देह में बपतिस्मा दिया जाता है; बपतिस्मा में हम विश्वव्यापी कलीसिया अर्थात् परमेश्वर के संतान की सभा में मिलते हैं।

चेतावनी : यदि आप बपतिस्मा लेते समय नया जन्म नही पाये थे तो आपको यीशु पर विश्वास करने के पश्चात फिर से बपतिस्मा लेने की आवश्यकता है।

सवाल–जवाब 4: <u>पवित्र आत्मा का बपतिस्मा</u>

अ) पवित्र आत्मा का बपतिस्मा तब होता है जब पवित्र आत्मा एक विश्वासी के ऊपर सामर्थ्य के साथ आता है। इसका पहला चिन्ह नई भाषा का वरदान है (जिसे 'आत्मा में प्रार्थना' और 'अन्यभाषा में बोलना' भी कहा जाता है)
ब) पवित्र आत्मा का बपतिस्मा हमें यीशु के बारे में गवाही देने के लिए पवित्र आत्मा की सामर्थ्य प्राप्त करने में सक्षम बनाता हैं।
स) पवित्र आत्मा के वरदान इस प्रकार हैः बुद्धि, प्रकाशन (ज्ञान के वचन), विश्वास, चंगाई, चमत्कार, भविष्यद्वाणी, आत्मा की परख, अन्य अन्य भाषाओं में बोलना, और जो बोला जाता है उसका अनुवाद।
द) आत्मा के फल हैः प्रेम, आनंद, धीरज, दया, भलाई, विश्वास, नम्रता, सयम। यही यीशु मसीह का स्वाभाव है।
इ) वरदान और फल के बीच का अंतर यह है कि वरदान पवित्र आत्मा के द्वारा दिया जाता है और फल धीरे–धीरे विकसित होते है जैसे हम पवित्र आत्मा को प्राप्त करते है और उसमे बढ़ते है। कई वरदान वाले लोंगो के पास अधिक फल नही हो सकते हैं। फल, विशेष रूप से, प्रेम सबसे अधिक महत्वपूर्ण है क्योंकि हम इसे अनंतकाल के लिए रखते है (1 कुरिन्थियों 13:8–10 और 13)।

यहाँ एक नमूना प्रार्थना है जो पवित्र आत्मा में बपतिस्मा की मांग करने और प्राप्त करने में सहायता के लिए हैं।

" प्रिय प्रभु यीशु, मैं आप पर विश्वास और भरोसा करता हूँ। कृपया मुझे पवित्र आत्मा में बपतिस्मा दीजिए ताकि मै आपके लिए गवाह बनने के लिए सामर्थ्य प्राप्त कर सकू। विश्वास से , अब मैं पवित्र आत्मा और पवित्र आत्मा के सभी वरदान प्राप्त करता हूँ, जिसमें एक नई भाषा भी शामिल है। धन्यवाद यीशु। मैं यीशु के नाम में यह प्रार्थना करता हूँ। आमीन"

इस प्रार्थना को करके, अपने मुह को खोले और जो कुछ आता है उसे बोले। यह आपका अवाज, आपका बोलने वाला अंग होगा, परंतु जैसे आप उसके पास आयेंगे, उसका अवाज आयेगा। जैसे कि आप बोलने के लिए हिम्मत करेंगे, पवित्र आत्मा की और अधिक शब्द आपके मुह में आयेंगे।

सवाल–जवाब 5: हाथ रखना

1 उद्देश्य आशीष के लिए; प्रत्येक शिष्य यह कर सकता है – उदाहरण के लिए, नये जन्म पाये हुए मसीही माता–पिता अपने बच्चों को इस प्रकार से आशीष देते है।

2 उद्देश्य चंगाई के लिए; यीशु मसीह ने प्रत्येक चेलों को इसे करने के लिए आदेश दिया है।

3 उद्देश्य, पवित्र आत्मा के बपतिस्मा के लिए जहाँ एक पवित्र आत्मा से भरे हुए मसीही दूसरे मसीही पर हाथ रखता है और वे पवित्र आत्मा में बपतिस्मा प्राप्त करते हैं। हालांकि, कुछ विश्वासियों को परमेश्वर सीधे पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देता है, बिना किसी के हाथ रखे। सभी पवित्र आत्मा में बपतिस्मा पाये विश्वासियों का उपयोग पवित्र आत्मा के हस्तांतरण के लिए किया जा सकता है।

हाथ रखने का 4 उद्देश्य प्राचीनो के लिए और उन लोगो के लिए है जो पवित्र आत्मा से भरे हुए विश्वासियो को जो परमेश्वर के काम करने के लिए परमेश्वर के द्वारा बुलाया गया है उसको उसकी सेवाकार्य सौपने के लिए आधिकार रखता हो। सेवाकार्य सौपने से पहले इस बात को पक्का कर लीजिए कि बुलाहट परमेश्वर की ओर से हैं। 1 तिमुथियुस 5:22 किसी पर शीघ्र हाथ रखकर सेवाकार्य सौपने के विरूद्ध चेतावनी देता है।

कलीसिया में दूसरो को सेवाकार्य सौपने के लिए अधिकार रखने वाला व्यक्ति ही इसे कर सकता है।

सवाल जबाव 6: <u>मृतको का पुनरूत्थान</u>

अ) हमारे मृत शरीर एक नया जी उठा शरीर में बदल जाएगी और जैसे यीशु स्वर्ग से पृथ्वी पर दोबारा आयेगा तो हम बादलो मे उठा लिये जायेगे कि हवा में प्रभु से मिले। जो मसीह में मरे है वे पहले जी उठेंगे और हम जो जीवित उसके साथ सब विश्वासी हवा में प्रभु से मिलेंगे और सदा प्रभु के साथ रहेंगे। वे लोग जो प्रभु पर विश्वास नही करते और उसकी आज्ञा नही मानते वे अंतिम न्याय के लिए जी उठेंगे।
ब) हमारा नया जी उठा शरीर हमारे पुराने शरीर की तरह नही होगा– वे महिमामय, स्वस्थ..... पूर्ण रूप से अलग और फिर भी हम दूसरे को पहचान लेंगे! अमर, अविनाशी और महिमामय।
स) यदि यीशु नही जी उठा तो हम भी जीवित नही होंगे। सुसमाचार की अद्भुत संदेश ये है कि यीशु के माध्यम से, परमेश्वर ने हमारे लिए अनंत काल तक साथ रहने का मार्ग बनाया है।

सवाल–जवाब 7: अंतिम न्याय
अ) परमेश्वर के पास प्रत्येक व्यक्ति का न्याय करने के लिए एक नियुक्त समय है।
ब) यीशु अपने विश्वासियों का न्याय करेगा। जो लोग यीशु को सच में अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करते है उनका नाम मेमने (यीशु) के जीवन की पुस्तक मे लिखा हुआ है। जिसका नाम मेमने की जीवन की पुस्तक मे है वे अनंतकाल के लिए यीशु के साथ रहेंगे। यीशु में विश्वासियों का न्याय करेगा परंतु उन पर दंड की आज्ञा नही होगी। उनके द्वारा किए गये अच्छे कार्यो के अनुसार से उनका न्याय होगा जो उनके लिए शुरूआत से करने के लिए तैयार किया था। कोई अन्य कार्य जो वे करते है, वह अनंतकाल के लिए हिसाब नही रखा जायेगा।

- और एक विश्वासी सुसमाचार के लिए जो कुछ करता है वह अनंतकाल के लिए याद किया जायेगा या उसका हिसाब रखा जायेगा।
- एक विश्वासी जो गरीबो की सहायता करता है तो वह भी अनंतकाल के लिए याद किया जायेगा या उसका हिसाब रखा जायेगा।
- एक विश्वासी का स्वाभाव (आत्मा के फल) अनंतकाल के लिए होगा।

स) जिस तरह से उन्होने इस्त्राएल और यहूदी लोगो के साथ व्यवहार किया, उसके लिए यीशु अन्यजातियों (गैर यहूदी) देशो/लोगो का न्याय करेगा।

द) जो लोग इस जीवन में यीशु को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में ग्रहण करने के लिए अस्वीकार करते है उन लोगों का न्याय होगा और उनके निर्णय के कारण वे दोषी ठहरेंगे। वे यीशु मसीह से दूर अपना अनंत जीवन आग के झील में बितायेंगे। इनमें वे लोग शामिल है जो यीशु के पीछे नही चलते है और साथ ही पाखंडी और झूठे मसीही।

इ) कोई नही जानता कि यीशु कब आयेगा और अंतिम न्याय कब होगा। यहा तक कि यीशु भी इसे नही जानता। केवल पिता परमेश्वर इसे जानता है। हमें तैयार रहने की जरूरत है। परंतु यीशु के आने से पहले, यीशु के बारे मे सुसमाचार पृथ्वी के छोर तक सुनाया जायेगा ताकि सभी देश और जाति जाति के लोग इसे सुने।

इस बाइबल अध्ययन रेव. डेरेक प्रिंस के शिक्षा से विकसित किया गया है और इसका उपयोग डेरेक प्रिंस सेवाकार्य की अनुमति के साथ किया गया है।

इस विषय पर और अधिक गहरी शिक्षा के लिए, 'बुनियाद को रखना' या मसीही जीवन के लिए बुनियादें, डेरेक प्रिंस द्वारा रचित पुस्तक को पढ़े या सी. डी की पूरा सेट को सुने (जो विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध है। और डेरेक प्रिंस एप्प में भी उपलब्ध है (जिसे स्मार्ट फोन में डाउनलोड किया जा सकता है)